NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th

aglasem.com

Class : 7th

Subject : हिंदी

Chapter : 14

Chapter Name : खानपान की बदलती तसवीर

Q1. खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का क्या मतलब है? अपने घर के उदाहरण देकर इसकी व्याख्या करें?

Answer. खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का मतलब हैं कि अब देश के हर कोने में सब तरह के व्यंजन मौजूद हैं | एक ज़माने में कुछ खास व्यंजन कुछ ही जगहों तक सीमित थे जैसे इडली-डोसा-वड़ा-सांभर केवल दक्षिण भारत में ही मिलते थे | आज ये सब व्यंजन देश के हर शहर में मिलते हैं | इसी तरह चाइनीज़ खाने को आज सभी जानते हैं | इसे ही खानपान की मिश्रित संस्कृति कहते हैं | हमारे घरों में भी आजकल पारम्परिक खाने के साथ-साथ कई विदेशी व्यंजन भी बनते हैं |

Page : 105 , Block Name : निबंध से

Q2. खानपान में बदलाव के कौन से फ़ायदे हैं? फिर लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित क्यों है?

Answer. खानपान में बदलाव के फ़ायदे –

- गृहिणियों और कामकाजी महिलाओं के लिए जल्दी तैयार होने वाले व्यंजन की विधि उपलब्ध होना |
- नई पीढ़ी को देश-विदेश के व्यंजन के बारे में जानने का मौका मिला |
- खानपान की नई संस्कृति से राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिला |

लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित इसलिए हैं कि मिश्रित संस्कृति में हम कई बार चीज़ों का असली और अलग स्वाद नहीं ले पा रहे हैं | नई पीढ़ी स्थानीय व्यंजनों के बारे में जान ही नहीं पाती हैं |

Page : 105 , Block Name : निबंध से

Q3. खानपान के मामले में स्थानीयता का क्या अर्थ है ?

Answer. खानपान के मामले में स्थानीयता का अर्थ है किसी शहर में किसी विशेष व्यंजन का मिलना | जैसे बम्बई की पाव-भाजी, दिल्ली के छोले-कुलचे, गुजरात का खमंड-ढोकला, आगरा के पेठे आदि ये सब व्यंजन पहले इन शहरों की विशेषता थे अर्थात वहाँ के स्थानीय व्यंजन थे |

Page : 105 , Block Name : निबंध से

Q1. घर में बातचीत करके पता कीजिए कि आपके घर में क्या चीज़ें पकती हैं और क्या चीज़ें बनी-बनाई बाज़ार से आती हैं? इनमें से बाज़ार से आनेवाली कौन सी चीज़ें आपके माँ-पिता जी के बचपन में घर में बनती थीं?

Answer. घर में बनने वाली चीज़ें - दाल, रोटी, सब्जियाँ, चावल, कचौरी, समोसे

बाज़ार से आने वाली चीज़ें - पिज़्ज़ा, आइसक्रीम, कोल्डड्रिंक, मिठाइयाँ

इनमें से बाज़ार से आनेवाली आइसक्रीम, मिठाइयाँ पहले घर में ही बनती थी |

Q2. यहाँ खाने, पकाने और स्वाद से संबंधित कुछ शब्द दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से देखिए और इनका वर्गीकरण कीजिए

उबालना, तलना, भूनना, सेंकना, दाल, भात, रोटी, पापड़,

आलू, बैंगन, खट्टा, मीठा, तीखा, नमकीन, कसैला

भोजन	कैसे पकाया	स्वाद

aglasem.com

Answer.

भोजन	कैसे पकाया	स्वाद
दाल	उबालना	मीठा/ तीखा
भात	उबालना	मीठा
रोटी	सेंकना	नमकीन
पापड़	तलना	नमकीन
आलू	भूनना	तीखा/ नमकीन
बैंगन	भूनना	कसैला

Page : 106 , Block Name : निबंध से आगे

Q3. छौंक, चावल, कढ़ी

- इन शब्दों में क्या अंतर है? समझाइए | इन्हें बनाने के तरीके विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग हैं | पता करें कि आपके प्रान्त में इन्हें कैसे बनाया जाता है |

Answer.

छौंक - छौंक को कढ़ाई में घी या तेल गर्म करके उसमें विभिन्न मसाले डालकर बनाया जाता है | अलग-अलग प्रांतों में बनाने का तरीका अलग होता है | सिर्फ मसालों से सादा छौंक बनता है, तो कई जगह प्याज़, लहसुन और टमाटर डालकर छौंक बनाया जाता हैं |

चावल - साधारण चावल पानी में उबालकर बनाया जाता है | चावल में यदि मसाले और सब्जियाँ मिलायी जाए तो पुलाव बनता है, चावल और दाल को मिलाकर बनाया जाये तो उसे खिचड़ी कहते है | चावल को दूध में उबालकर ख़ीर बनती है |

कढ़ी - दही या छाछ में बेसन मिलाकर कढ़ी बनाई जाती हैं | फिर इसमें मसाले डालकर छौंक लगाया जाता हैं | कढ़ी किसी प्रान्त में मीठी बनती है तो कही खट्टी |

Page : 106 , Block Name : निबंध से आगे

Q4. पिछली शताब्दी में खानपान की बदलती हुई तसवीर का खाका खींचें तो इस प्रकार होगा-

सन् साठ का दशक – छोले-भटूरे

सन् सत्तर का दशक – इडली, डोसा

सन् अस्सी का दशक – तिब्बती (चीनी) भोजन

सन् नब्बे का दशक – पीज़ा, पाव-भाजी

· इसी प्रकार आप कुछ कपड़ों या पोशाकों की बदलती तसवीर का खाका खींचिए।

Answer.

सन् साठ का दशक – लहँगा-चोली , साड़ी , कुर्ता-पायजामा, धोती-कुर्ता

सन् सत्तर का दशक – साड़ी , सलवार-कमीज़, पेंट-शर्ट

सन् अस्सी का दशक – जींस-टॉप , कुर्ता, कोट-पेंट, जींस-टीशर्ट

सन् नब्बे का दशक – स्कर्ट, जींस-टॉप, जींस-टीशर्ट, शेरवानी

aglasem.com

Page : 106 , Block Name : निबंध से आगे

Q5. मान लीजिए कि आपके घर कोई मेहमान आ रहे हैं जो आपके प्रांत का पारंपरिक भोजन करना चाहते हैं | उन्हें खिलाने के लिए घर के लोगों की मदद से एक व्यंजन सूची(मेन्यू) बनाइए |

Answer. छात्र अपने प्रांत के पारंपरिक भोजन की सूची तैयार करें |

Page : 107 , Block Name : निबंध से आगे

अनुमान और कल्पना

Q1. 'फ़ास्ट फूड' यानि तुरंत भोजन के नफ़े-नुकसान पर कक्षा में वाद-विवाद करें |

Answer. 'फ़ास्ट फूड' यानि तुरंत भोजन के कुछ फायदे है तो कुछ नुकसान भी है | आजकल की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में फ़ास्ट फूड का चलन बढ़ गया है क्योंकि यह आसानी से तैयार हो जाता है और समय की भी बचत होती हैं | लेकिन स्वास्थ्य के लिए ये भोजन हानिकारक होता है क्योंकि यह ताजा नहीं होता है जिससे कई बीमारियाँ भी हो सकती हैं |

Page : 107 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q2. हर शहर, कस्बे में कुछ ऐसी जगहें होती हैं जो अपने किसी खास व्यंजन के लिए जानी जाती हैं | आप अपने शहर, कस्बे का नक्शा बनाकर उसमें ऐसी सभी जगहों को दर्शाइए |

Answer. दिल्ली - चाँदनी चौक की पराठा गली, दही-भल्ले, छोले-कुलचे

मुंबई - पाव-भाजी, वड़ा पाव

हैदराबाद - बिरयानी

कोलकाता - संदेश, रसगुल्ला, बंगाली मिठाई

गुजरात - खमण-ढोकला, फाफड़ा-जलेबी

राजस्थान - दालबाटी

चेन्नई - इडली, डोसा-सांभर, मेंदु-वड़ा

पंजाब - आलू के पराठे

Page : 107 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q3. खानपान के मामले में शुद्धता का मसला काफ़ी पुराना है | आपने अपने अनुभव में इस तरह की मिलावट को देखा है? किसी फिल्म या अखबारी खबर के हवाले से खानपान में होनेवाली मिलावट के नुकसानों की चर्चा कीजिए |

aglasem.com

Answer. छात्र कक्षा में चर्चा करे |

Page : 107 , Block Name : अनुमान और कल्पना

भाषा की बात

Q1. खानपान शब्द, खान और पान दो शब्दों को जोड़कर बना है। खानपान शब्द में और छिपा हुआ है। जिन शब्दों के योग में और, अथवा, या जैसे योजक शब्द छिपे हों, उन्हें द्वंद्व समास कहते हैं। नीचे द्वंद्व समास के कुछ उदाहरण दिए गए हैं। इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए और अर्थ समझिए –

सीना-पिरोना भला-बुरा चलना-फिरना

लंबा-चौड़ा कहा-सुनी घास-फूस

Answer.

- सीना-पिरोना – दर्जी सीने-पिरोने का काम करते हैं |
- भला-बुरा – पीठ पीछे किसी के बारे में भला-बुरा नहीं कहना चाहिए |
- चलना-फिरना – सुबह-सुबह चलना-फिरना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता हैं |
- लंबा-चौड़ा – पहलवानों का कद लंबा-चौड़ा होता हैं |
- कहा-सुनी – दो दोस्तों की किसी बात को लेकर आपस में कहा-सुनी हो गई |
- घास-फूस - गरीब लोगों के घर ज्यादातर घास-फूस के बने होते हैं |

Page : 107 , Block Name : भाषा की बात

Q2. कई बार एक शब्द सुनने या पढ़ने पर कोई और शब्द याद आ जाता है। आइए शब्दों की ऐसी कड़ी बनाएँ। नीचे शुरुआत की गई है। उसे आप आगे बढ़ाइए।

कक्षा में मौखिक सामूहिक गतिविधि के रूप में भी इसे दिया जा सकता है-

इडली–दक्षिण–केरल–ओणम्–त्योहार–छुट्टी–आराम…

Answer.

आराम - टीवी - पिक्चर - पॉपकॉर्न- कोल्डड्रिंक….

Page : 107 , Block Name : भाषा की बात

aglasem.com